भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 810

जिसका उत्तर मंगलवार 07 फरवरी, 2017 को दिया जाना है

मेक इन इंडिया अभियान

810. श्री जे जे टी नट्टर्जी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मेक इन इंडिया कार्यक्रम से उद्योग जगत के नेताओं को विकासशील उद्योग के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के प्रति विश्वास का वातावरण पैदा करने में मदद मिलेगी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या व्यापार को आसान बनाने के मामले में विश्वभर के देशों की सूची में भारत पिछड़ गया है;

(घ) यदि हां, तो क्या मेक इन इंडिया अभियान से व्यापार के नए द्वार खुलेंगे; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ङ): औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग ने सूचित किया है कि 25 सितम्बर, 2014 को आरम्भ की गई 'मेक इन इंडिया' पहल का उद्देश्य भारत को एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य तथा विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार के एक वैश्विक केन्द्र के रूप में बढ़ावा देना है। यह एक विशिष्ट स्कीम नहीं है अपितु निवेश, आधुनिक तथा कुशल अवसंरचना का विकास, विदेशी निवेश के लिए नए सेक्टर खोलने और एक सकारात्मक सोच के जरिए सरकार और उद्योग के बीच भागीदारी करने के लिए अनुकूल माहौल सृजित करने हेतु एक व्यापक राष्ट्र निर्माण की पहल है। वर्तमान में, वर्ल्ड बैंक्स एनुअल डुइंग बिजनेस रिपोर्ट (डीबीआर), 2017 में भारत 130वें पायदान पर है, जबकि डुइंग बिजनेस रिपोर्ट, 2016 में वह 131वें पायदान (संशोधित) पर था।

*****